संघ राज्य क्षेत्रों के पहाड़ी क्षेत्रों के लिये साहित्य की कमी

2659. श्री ओम प्रकाश त्यागी : क्या शिक्षा मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि संघ राज्य क्षेत्रों के अधिकांश पहाड़ी क्षेत्रों में उनकी स्थानीय उपभाषाओं की किसी लिपि के न होने के कारण कोई भी साहित्य नहीं है ; और

(ख) यदि हां, तो इन क्षेत्रों भाषाओं की की लिपि बनाकर साहित्य प्रकाशित करने के लिए सरकार ने कोई कार्यवाही की है अथवा करने का विचार है ?

शिक्षा मन्त्रालय में राज्य-मंत्री (श्री शेर-सिंह) : (क) और (ख) . यद्यपि नागालैंड जैसे क्षेत्रों में कुछ मुद्रित सामग्री रोमन लिपि में उपलब्ध है, तथापि केन्द्र शासित प्रदेशों के उन पर्वतीय क्षेत्रों में जहां स्थानीय बोलियां बोली जाती है, और जिनकी अपनी कोई लिपि नहीं है, सामान्यत: लिखित साहित्य की कमी है। भारत सरकार उन बोलियों का जो कि बड़े क्षेत्रों में बोली जाती है और जो विकास के लिये बहुत योग्य हैं, कुछ आदिम जातिजन-साहित्य देवनागरी लिपि में प्रकाशित करने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। इस उद्देश्य के लिये इन बोलियों की विशिष्ट ध्वनियों को व्यक्त करने के लिए जो कि अभी देवनागरी लिपि में उपलब्ध नहीं है, देवनागरी लिपि में अतिरिक्त संकेत चिह्न जोड़ कर इसे परिवर्धित किया जा रहा है। इस कार्य के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित कर दी गई है।

मिजोओं द्वारा हथियार छोड़ना

2660. श्री ओम प्रकाश त्यागी :
श्री अद्याकर सूपकार :
श्री शिव कुमार शास्त्री :
श्री रामावतार शर्मा :
श्री हिम्मतसिंहका :
श्री सु० कु० तापड़िया :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सुरक्षा सेनाओं द्वारा की गई कड़ी कार्यवाही के कारण मिजो विद्रोहियों का विरोध लगभग समाप्त हो गया है और कई विद्रोहियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है ; और

(ख) यदि हां, तो समर्पण करने वाले विद्रोहियों की संख्या कितनी है तथा उनसे कैसे और कितनी मात्रा में हथियार पकड़े गये ?

गृह-कार्य मन्त्रालय में राज्य-मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) और (ख). सुरक्षा दल मिजो विद्रोहियों को खदेड़ने में सफल रहे हैं और कार्यवाहियां जारी हैं। सितम्बर, और अक्तूबर 1968 में 1,409 मिजो विद्रोहियों ने आत्मसमर्पण किया। समर्पित किये गये हथियारों की संख्या 22 है जिसमें राइफलें और स्टेनगन शामिल हैं।

शर्मा इन्टर कालेज, बुलन्दशहर

2661. श्री ओंकार लाल बेरवा :
श्री यशपाल सिंह :

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को बुलन्दशहर स्थिति शर्मा इन्टर कालेज के प्रिंसिपल के विरुद्ध प्राप्त शिकायतों के बारे में जांच का ब्योरा प्राप्त हो गया है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्योरा क्या है और इस बारे में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ; और

(ग) यदि नहीं, तो इस मामले में विलम्ब के क्या कारण हैं ?

शिक्षा मन्त्रालय में राज्य-मंत्री (श्री भागवत झा आजाद) : (क) जी हां।

(ख) और (ग) . विवरण सभा पटल पर रखा है जिसमें अपेक्षित सूचना दी गई है। [पुस्तकालय में रख दिया गया। देखिये संख्या 2399/68]

National Fitness Corps

2662. SHRI HEM RAJ :
SHRI YAJNA DATT SHARMA :

Will the Minister of EDUCATION be pleased to state :

(a) the number of National Fitness Corps Employees who have been disbanded till the end of October 1968, region-wise ;

(b) what were their terms of recruitment ; and

(c) to what extent they have been rehabilitated ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EDUCATION (SHRI BHAGWAT JHA AZAD) : (a) None of the NFC Employees in the regional offices of the N. F. C. Directorate has been disbanded so far. As a result of the closure of the Training Centres at Choki (Gujarat) and Habra (West Bengal) and the Central Training Institute at Barwaha (M. P.), nine Class III and forty Class IV employees have been rendered surplus.

(b) They were appointed on a purely temporary basis and therefore their services were liable to termination on one month's notice.

(c) A statement is laid on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT—2400/68].

राज्यों में मन्दिरों और मस्जिदों की मरम्मत के लिये वित्तीय सहायता

2663. श्री ओम प्रकाश त्यागी : क्या गृह-कार्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारतीय रियासतों के विलय के समय यह स्वीकार किया गया था कि मंन्दिरों और मस्जिदों की मरम्मत आदि के लिये वैसे ही वित्तीय सहायता जारी रहेगी जैसे रियासतों के राजा दिया करते थे ; और

(ख) यदि हां, तो किन-किन राज्यों में कितने-कितने मन्दिरों और मस्जिदों को सरकार वित्तीय सहायता उपलब्ध कर रही है और प्रतिवर्ष कितनी सहायता दी जाती है ?

गृह-कार्य मन्त्रालय में राज्य-मन्त्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) और (ख). इस प्रयोजन के लिए, कुछ रियासतों के सम्बन्ध में, भूतपूर्व भारतीय रियासतों के विलय के समय व्यवस्था की गई थी । एक विवरण सभा पटल पर रखा है । [पुस्तकालय में रख दिया गया । देखिये संख्या LT—2401/68] चूंकि इस सम्बन्ध में व्यय, सम्बन्धित राज्य सरकारों द्वारा किया जाता है, अतः ऐसे संस्थानों की संख्या तथा उन पर वार्षिक व्यय के बारे में सूचना उपलब्ध नहीं है ।

Abduction of an Indian

2664. SHRI SAMAR GUHA : Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that Shrimati Sobhana Shil, wife of Shri Sudhir Shil of Village Baulapasha, near Kailasahar of Tripura was forcibly taken away by Pakistani goondas on the 28th August, 1968 ;

(b) whether tne Goondas committed criminal assault on the woman and then gave her in Nikah marriage to a men called Hanif of the Pak area after converting the unfortunate girl ; and

(c) if so, the steps taken by Government to get back Shrimati Sobhana Shil from the clutches of the Pak goondas and Hanif ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA) : (a) to (c). It has been reported that Shrimati Sobhana Shil crossed over to Pak territory of her own accord. There has been no report about any criminal assault having been committed on her or her having been forcibly converted or given in marriage to a Pakistani. The question of her return to India has been taken up with the Pak authorities.